अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : आस्त्रव, संवर – 50

प्र.1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 20

(आस्त्रव : किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(क) अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(ख) अधिकरणिकी क्रिया आश्रव का क्या तात्पर्य है?

(ग) योग प्रत्याख्यान से जीव को क्या प्राप्त होता है?

(घ) प्रतिक्रमण के प्रकारों के नाम लिखें। (ड.) ओध संज्ञा किसे कहते हैं?

(च) चक्षुरिन्द्रिय किसे कहते हैं तथा यह कौन सा भाव है?

(छ) भाष्य के अनुसार असत् के तीन अर्थ कौन से हैं? किसी एक अर्थ की परिभाषा लिखें।

(ज) अजीवकाय असंयम का क्या तात्पर्य है? (झ) द्रव्य संयोग किसे कहते हैं?

(संवर : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(ञ) प्रवचन माता किसे कहते हैं तथा वे कितने भाव कितनी आत्मा है?

(ट) भाषा समिति व उत्तम सत्य का अन्तर स्पष्ट करें।

(ठ) बोधि दुर्लभानुप्रेक्षा से क्या तात्पर्य है?

(ड) किन आगमों में बाईस परीषहों का वर्णन आता है?

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) आस्त्रव – आश्रव के विषय में तीन मान्यताएँ क्या हैं? 'अथवा' आश्रवों में स्वाभाविक रूप कितने और क्रिया रूप कितने व क्यों?

(ख) संवर – सिद्ध करें कि मोक्ष–मार्ग की आराधना में संवर उत्तम गुण रत्न है? 'अथवा' संवर प्रवर्तक क्यों नहीं हो सकता?

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 20

(क) आस्त्रव – आचार्य भिक्षु ने आश्रव को जीव किस प्रकार सिद्ध किया है? 'अथवा' स्वामीजी ने नौ त्रिकों के सार को किस प्रकार सूत्रों द्वारा प्रमाणित किया है?

(ख) संवर – सिद्ध करें कि अप्रमाद संवर, अकषाय व अयोग संवर की उत्पत्ति प्रत्याख्यान से नहीं होती? 'अथवा' उदाहरण सहित सिद्ध करें कि संवर भाव जीव है?

अवबोध : मनुष्यगति से शील धर्म – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) अकर्म भूमि के मनुष्य मरकर कहाँ जाते हैं?

(ख) साधारण वनस्पति का आयुष्य कितना है?

(ग) अमनस्क मनुष्य में निर्जरा का कौन सा भेद पाता है?

(घ) क्या तिर्यंच में क्षायिक सम्यक्त्व हो सकती है?

(ड) सात नरक की पृथ्वियाँ किसके आधार पर टिकी हुई हैं?

(च) नरक की दीवारों का स्पर्श कैसा है?

(छ) जाति स्मृति कितने भवों की हो सकती है?

(ज) पांच ज्ञान में भाषक व अभाषक कितने–कितने हैं?

(झ) क्या सम्यक्त्व का उद्वेद हो सकता है?

(ञ) निदान कृत व्यक्ति को चारित्र आ सकता है?

प्र.5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 12

(क) क्या नारक जीवों को ब्रह्मचर्य पालन का लाभ मिलता है?

(ख) चारित्र की अल्पाबहुत्त्व का क्या क्रम है?

(ग) दान कौन सा भाव? कौन सी आत्मा?

(घ) क्या नारक जीवों में पति पत्नी आदि संबंध भी होता है?

(ङ) सम्यक्त्वी में चारित्र कितने हैं?

(च) मरने के बाद यौगलिकों के शरीर का अंतिम संस्कार कैसे होता है?

(छ) दर्शन किसे कहते हैं? भेदों के नाम लिखें।

(ज) एक भव की दृष्टि से जीव कितनी बार चारित्र को प्राप्त कर सकता है?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) पांचों चारित्र की स्थिति कितनी है?

(ख) अकर्म भूमि के मनुष्यों का भोजन कैसा है?

(ग) चारित्र कौन से क्षेत्र में होता है तथा उसके अल्पाबहुत्त्व का क्या क्रम है?

(घ) ब्रह्मचर्य का महाव्रत व अणुव्रत स्वरूप क्या है?

श्रावक संबोध – 20

प्र.7 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) छह द्रव्य हमारे किस प्रकार सहयोगी हैं? पूरा पद्य लिखकर बताएँ।

(ख) जिस पद्य में सम्यग्दर्शन के लक्षण बताए गए हैं, उसे लिखें।

(ग) जिस पद्य में श्रावक के तीन मनोरथ का वर्णन है, उसके कारण वह जीने के मोह मौत भय से मुक्त होता है, उसे लिखें।

(घ) खाद्य पदार्थ व वस्त्र की सीमा करने वाला पद्य लिखें।

(ड.) आकांक्षा पर अंकुश लगाने वाला पद्य लिखें।

(च) श्रावक को मानवता का प्रतिमान जिस पद्य में माना गया है, वह पद्य लिखें।

प्र.8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) श्रावक की भूमिका का प्रवेशद्वार है प्रत्याख्यान। कैसे?

(ख) जैन लोग सब प्रकार की लौकिक विधियों को मान्य कर सकते हैं, पर उसमें दो शर्तें हैं – वे कौन सी हैं?

(ग) 'चाउवण्णाइण्णे समण संघे' का अर्थ लिखें।

(घ) मनोरथ का क्या अर्थ है? श्रावक का तीसरा मनोरथ कौन सा है?

(ङ) सम्यग् दर्शन के आधारभूत तीन तत्त्व कौन से हैं? समझाऐं।

(च) इच्छा परिमाण व्रत के पांच श्रमणोपासक के लिए ज्ञातव्य है, आचरणीय नहीं, अतिचारों के नाम लिखते हुए कोई तीन अतिचार की संक्षिप्त व्याख्या करें।